PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
BILASPUR

(Field work, Community work, Project, Internship, Practical)

MANUAL

Bachelor of Education

(B.Ed.)

Department of Education

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH, BILASPUR

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sundarlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSO Bilaspur

PT. SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY
CHHATTISGARH, BILASPUR

बी. एड.

द्विवर्शीय दूरवर्ती षिक्षा पाठ्यक्रम

संदर्शिका

पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

वि. वि. अनुदान आयोग एक्ट 1956 की धारा 2 (F) में सम्मिलित
एवं छ.ग. शासन के द्वारा अधिनियम क्र. 26/2004 के अंतर्गत स्थापित

कोनी–बिरकोना मार्ग, ग्रा./पो. – बिरकोना, जिला – बिलासपुर (छ.ग.)
फोन नं. 07752–240711, 240712, 240752

Website : www.pssou.ac.in Email : Info@pssou.ac.in

बी. एड.

द्विवर्षीय दूरवर्ती शिक्षा पाठ्यक्रम

संदर्शिका

शिक्षा विभाग

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

1. बी.एड.कार्यक्रम

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (विनियम मानदण्ड तथा क्रियाविधि) विनियम 2014 के अनुसार है। इस पाठ्यक्रम में शिक्षार्थियों की व्यवसायिक दक्षता विकसित करने, अपने कार्य एवं दायित्व के निर्वहन हेतु अपेक्षित शिक्षण कौशलों को विकसित करने के लिए सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों का विवेकपूर्ण संयोजन है। इस पाठयक्रम के अनुसार प्रशिक्षित शिक्षक भविष्य की शैक्षिक चुनौतियों के समाधान में सहायक सिद्ध होगें।

2. पाठ्यक्रम संरचना

विश्वविद्यालय का यह पाठ्यक्रम "कोर" मॉडल ('Core' Model) पर आधारित है । इस "कोर" मॉडल ('Core' Model) के निम्नलिखित घटक है ।

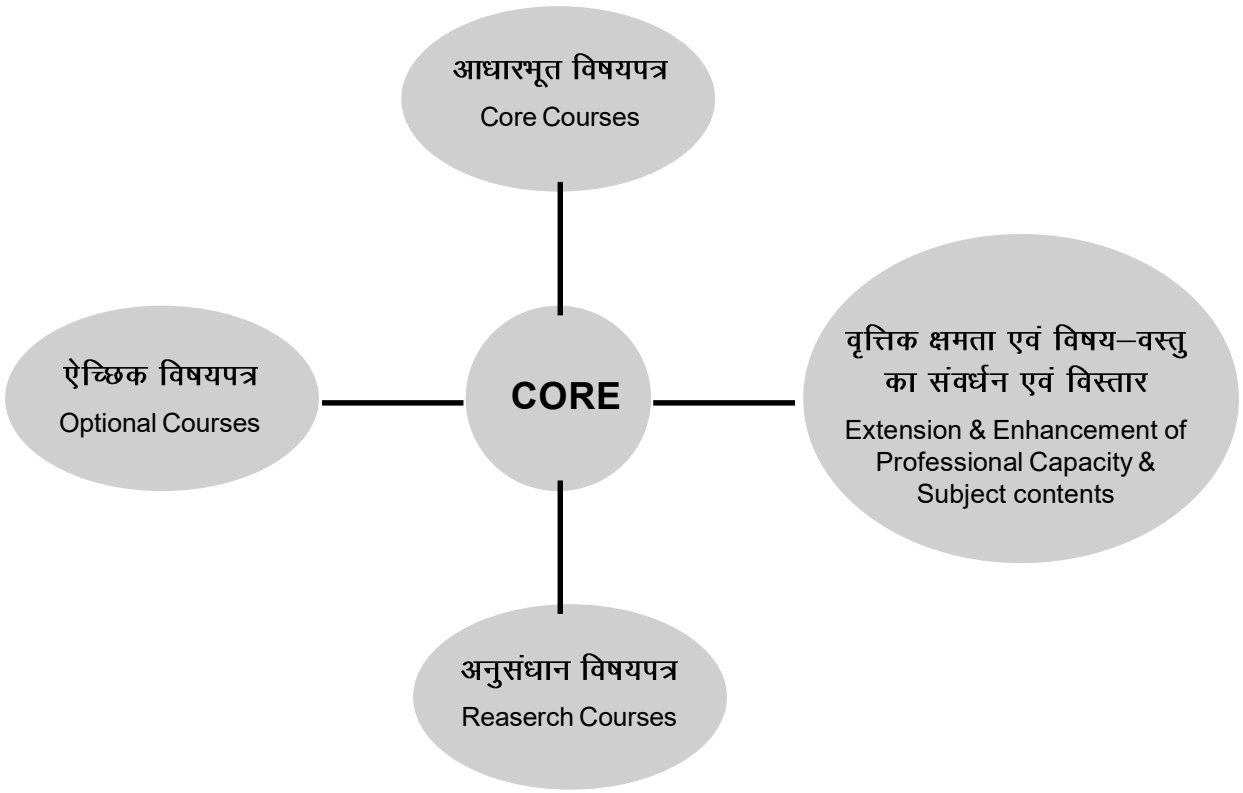

3. बी.एड. प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम संरचना :

TWO YEAR B.ED. SYLLABUS & MARKING SCHEME

FIRST YEAR

	Paper	Paper Name in Hindi	Paper Name in English	Paper Code	Credit	Marks			
Theory Papers						**Internal (TMA)**	**External (TEE)**		**Total Marks**
	I	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रायोजन	Education & Its Purposes	B.Ed.-001	4	30	70	—	100
	II	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ	Learner and the Context	B.Ed.-002	4	30	70	—	100
	III	समकालीन भारतीय शिक्षा	Contemporary India and Education	B.Ed.-003	4	30	70	—	100
	IV	शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी	ICT In Education	B.Ed.-004	4	30	70	—	100
	V	विद्यालय संगठन एवं प्रशासन	School Organisation and Administration	B.Ed.-005	4	30	70	—	100
	VI	संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण	Cognition, Learning & Teaching	B.Ed.-006	4	30	70	—	100
	VII	विद्यालय विषय शिक्षण (कोई एक)	School Subject Teaching (Any One)		4	30	70	—	100
		1- हिन्दी शिक्षण	1. हिन्दी शिक्षण	B.Ed.-H007	—	—	—	—	—
		2- Teaching of English	6. Teaching of English	B.Ed.-E007	—	—	—	—	—
		3- गणित शिक्षण	5. Mathematical Teaching	B.Ed.-M007	—	—	—	—	—
	VIII	विद्यालय विषय शिक्षण (कोई एक)	School Subject Teaching (Any One)		4	30	70	—	100
		1- जीव विज्ञान शिक्षण	4. Bio Science Teaching	B.Ed.-B008	—	—	—	—	—
		2- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण	3. Physical Science Teaching	B.Ed.-P008	—	—	—	—	—
		3- सामाजिक विज्ञान शिक्षण	2. Social Science Teaching	B.Ed.-S008	—	—	—	—	—
					32			—	**800**
Practical Papers					**Credit**	**Mentor/ School**	**Study Centre**	**External (Viva)**	**Tota Marks**
	IX	प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षण	Exhibiting Art & Teaching	B.Ed.-009	2	—	50	50	**100**
	X	विद्यालय विषय शिक्षण (पाठ–योजना निर्माण व शिक्षण)	School Subject Teaching (Preparation-Evaluation of Lesson Plan & Teaching)		4	50	50	100	**200**
	XI	कार्यशाला आधारित प्रयोग	Workshop Based Practicals	B.Ed.-010	2	—	50	50	**100**
					40				**400**
			THEORY TOTAL 800						
			PRACTICALTOTAL400						
			FIRST YEAR TOTAL MARKS						**1200**

प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा के संचालन एवं मूल्यांकन विधि -

क्र.	गतिविधि का नाम	क्रेडिट	विवरण				
1	आर्ट/संगीत/ड्रामा – एक दिवसीय कार्यशाला एवं क्रियाकलाप Art/ Music/Drama- One Day Workshop & Activity	-	अध्ययन केन्द्र – 6 घंटे की कार्यशाला एवं क्रियाकलाप विद्यालय – 1 घंटे की आर्ट/संगीत/ड्रामा के क्रियाकलाप प्रति सप्ताह। Study Centre - 6 Hours Workshop followed by activity, School - 1 Hour of art/music/ drama activity per week				
2	आर्ट/संगीत/ड्रामा – दो दिवसीय सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण Art / Music / Drama - Two Day Cultural	-	अध्ययन केन्द्र – 6 घंटे की समूहवार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता विद्यालय – 1 घंटे की Presentation - आर्ट/संगीत/ड्रामा के क्रियाकलाप प्रति सप्ताह Study Centre - 6 Hours Group Wise Cultural Program Competition School - 1 Hour of art/music/drama activity per week				
3	मूल्यांकन	–	अध्ययन केन्द्र द्वारा मूल्यांकन (मौखिक परीक्षा)**		बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन*		कुल
	अंक		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक	न्यूनतम	
			50	25	50	25	100
	कुल	2					

विद्यालय विषय शिक्षण (पाठ योजना निर्माण एवं शिक्षण) -

स.क्र.	विवरण	अंक विभाजन
1	Mentar Marks	50
2	Teacher Edycator Marks	50
3	External viva-vice	100
	Total	**200** -

कार्यशाला आधारित प्रयोग -

स.क्र.	विवरण	क्रेडिट	अंक विभाजन	
			अधि.	न्यून.
1	**कार्यशाला आधारित प्रैक्टिम** (Workshop Based **Practicum)**		30	10
2	**सूक्ष्म शिक्षण** (Micro Teaching)		20	7
3	**कार्यानुभव** (Work Experience I - Any -1 (Gardening, Photography, Book Binding, Report Writing,)		30	10
4	**उपस्थिति** (Attendance (80%)		20	–
	कुल	**2**	**100**	

बी.एड. प्रथम वर्ष

छात्राध्यापक द्वारा जमा किए जाने वाले प्रपत्र / पुस्तिकाओं की सूची

क्र.	प्रपत्र / पुस्तिका का नाम	प्रश्नपत्र	टिप्पणी
1	प्रर्दशनकारी कला एवं शिक्षण	ix	कक्षा के दौरान क्या सीखा / जाना लिखेंगे तथा शिक्षण में कला के महत्व पर विचार लिखेंगे।
2	पाठ योजना पुस्तिका	x	(1) 02 विषयों की पाठ योजना कुल 20 योजना (प्रत्येक विषय हेतु – 10 योजना)। (2) मेन्टर द्वारा 05 मूल्यांकित होने चाहिए। (3) शिक्षक प्रशिक्षक द्वारा 05 योजना मूल्यांकित होने चाहिए।
3	पाठ समालोचना पुस्तिका	x	(1) 02 विषयों की पाठ समालोचना कुल 20 समालोचना (प्रत्येक विषय हेतु – 10 समालोचना)। (2) मेन्टर द्वारा 05 मूल्यांकित होने चाहिए। (3) शिक्षक प्रशिक्षक द्वारा 05 समालोचना मूल्यांकित होने चाहिए।
4	मेन्टर नियुक्ति प्रपत्र	x	अपने मेन्टर से भरवाकर सील कराकर जमा करेंगे।
5	मेन्टर पारिश्रामिक पावती	x	कुल राशि रू. 125/– (राशि रू. एक सौ पच्चीस मात्र) जमा करेंगे तथा केन्द्र से भुगतान प्राप्त करेंगे।
6	मेन्टर द्वारा अंक पत्रक	x	दिए गए प्रारूप में (छात्र मेन्टर से सील करवाकर जमा करेंगे।)
7	व्यैक्तिक संपर्क कार्यक्रम (कार्यशाला आधारित प्रयोग की पुस्तिका में)	xi	(1) इस पुस्तिका में छात्र कार्यअनुभव में चयनित किसी एक गतिविधि पर Individual रिपोर्ट लिखेंगे। (2) सुक्ष्म शिक्षण का Plan लिखेंगे। (07 कौशल के एक–एक Plan कुल 07 Plan)
8	प्रेक्टीकम कार्य (विश्वविद्यालय द्वारा पुस्तिका प्रदत्त नहीं की गई है छात्र स्वयं स्वयं एक कापी में लेकर लिखेंगे।	xi	प्रेक्टीकम कार्य की सूची वि.वि. द्वारा दी जा रही है जिनमें से कोई 03 प्रेक्टीकम प्रशिक्षार्थियों को दिए जाने हैं। जिन्हें वे एक ही कापी में जमा करेंगे।
9	सत्रीय कार्य प्रश्प–पत्र उत्तर–पुस्तिका (विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त की गई है।)		कुल 08 सैद्धांतिक विषयों हेतु 08 उत्तर–पुस्तिका जमा की जाएगी। प्रत्येक विषय के प्रश्प–पत्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट में उपलब्ध है।

TWO YEAR B.ED. SYLLABUS & MARKING SCHEME

SECOND YEAR

	Paper	Paper Name in Hindi	Paper Name in English	Paper Code	Credit	Marks			
Theory Papers						**Internal**	**External**		**Total Marks**
	XI	विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व	School Management & Leadership	B.Ed.-012	4	30	70	—	100
	XII	शिक्षा तकनीकी	Education Technology	B.Ed.-012	4	30	70	—	100
	XIII	शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श	Educational Guidance & Counselling	B.Ed.-013	4	30	70	—	100
	XIV	ज्ञान एवं पाठ्यचर्या	Knowledge and Curriculum	B.Ed.-014	4	30	70	—	100
	XV	मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा	Human Rights & Peace Education	B.Ed.-015	4	30	70	—	100
	XVI	जेंडर, विद्यालय एवं समाज	Gender, School & Society	B.Ed.-016	4	30	70	—	100
					24				**600**
Practical Papers					**Credit**	**Mentor/ School**	**Study Centre (L.P.)**	**External (Viva)**	**Tota Marks**
	XVII	विद्यालय विषय शिक्षण (पाठ–योजना निर्माण, मूल्यांकन व शिक्षण)	School Subject Teaching (Preparation-Evaluation of Lesson Plan & Teaching)	B.Ed.-017	8	50	50	100	**200**
	XVIII	शाला इंटर्नशिप कार्यक्रम	School Internship Program	B.Ed.-018	4	--	50	50	**100**
	XIX	कार्यशाला आधारित प्रयोग	Workshop Based Practicals	B.Ed.-019	4	—	50	50	**100**
			TOTAL		**40**				**400**
			SECOND YEAR TOTAL MARKS 1100						
			THEORY TOTAL 600						
			PRACTICAL TOTAL 400						

बी.एड. द्वितीय वर्ष

विद्यालय विषय शिक्षण (पाठ योजना निर्माण एवं शिक्षण) -

S.N.	Activity Name	Marks Distribution
1	Mentar / School	50
2	Study Centre (L.P.)	50
3	External viva-vice	100
	Total	**200** -

शाला इंटर्नशिप कार्यक्रम -

S.N.	Activity Name	Marks Distribution
1	Study Centre	50
2	External viva-vice	50
	Total	**100** -

कार्यशाला आधारित प्रयोग -

S.N.	Activity Name	Credit	Marks Distribution	
			Max. M	Min. M
1	Group Presentation	1	30	10
2	Workshop Based Practicum (List attached) submitted in single copy	2	30	17
3	Community Camp	2	20	17
4	Attendance (80%)	1	20	_
	Total	**6**	**100**	**_**

बी.एड. द्वितीय वर्ष

छात्राध्यापक द्वारा जमा किए जाने वाले प्रपत्र / पुस्तिकाओं की सूची

क्र.	प्रपत्र / पुस्तिका का नाम	प्रश्नपत्र	टिप्पणी
1	प्रर्दशनकारी कला एवं शिक्षण	ix	कक्षा के दौरान क्या सीखा / जाना लिखेंगे तथा शिक्षण में कला के महत्व पर विचार लिखेंगे।
2	पाठ योजना पुस्तिका	x	(1) 02 विषयों की पाठ योजना कुल 20 योजना (प्रत्येक विषय हेतु – 10 योजना)।
			(2) मेन्टर द्वारा 05 मूल्यांकित होने चाहिए।
			(3) शिक्षक प्रशिक्षक द्वारा 05 योजना मूल्यांकित होने चाहिए।
3	पाठ समालोचना पुस्तिका	x	(1) 02 विषयों की पाठ समालोचना कुल 20 समालोचना (प्रत्येक विषय हेतु – 10 समालोचना)।
			(2) मेन्टर द्वारा 05 मूल्यांकित होने चाहिए।
			(3) शिक्षक प्रशिक्षक द्वारा 05 समालोचना मूल्यांकित होने चाहिए।
4	मेन्टर नियुक्ति प्रपत्र	x	अपने मेन्टर से भरवाकर सील कराकर जमा करेंगे।
5	मेन्टर पारिश्रामिक पावती	x	कुल राशि रू. 125/– (राशि रू. एक सौ पच्चीस मात्र) जमा करेंगे तथा केन्द्र से भुगतान प्राप्त करेंगे।
6	मेन्टर द्वारा अंक पत्रक	x	दिए गए प्रारूप में (छात्र मेन्टर से सील करवाकर जमा करेंगे।)
7	व्यैक्तिक संपर्क कार्यक्रम (कार्यशाला आधारित प्रयोग की पुस्तिका में)	xi	(1) इस पुस्तिका में छात्र कार्यअनुभव में चयनित किसी एक गतिविधि पर Individual रिपोर्ट लिखेंगे। (2) सुक्ष्म शिक्षण का Plan लिखेंगे। (07 कौशल के एक–एक Plan कुल 07 Plan)
8	प्रेक्टीकम कार्य (विश्वविद्यालय द्वारा पुस्तिका प्रदत्त नहीं की गई है छात्र स्वयं स्वयं एक कापी में लेकर लिखेंगे।	xi	प्रेक्टीकम कार्य की सूची वि.वि. द्वारा दी जा रही है जिनमें से कोई 03 प्रेक्टीकम प्रशिक्षार्थियों को दिए जाने हैं। जिन्हें वे एक ही कापी में जमा करेंगे।
9	सत्रीय कार्य प्रश्प–पत्र उत्तर–पुस्तिका (विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त की गई है।)		कुल 08 सैद्धांतिक विषयों हेतु 08 उत्तर–पुस्तिका जमा की जाएगी। प्रत्येक विषय के प्रश्प–पत्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट में उपलब्ध है।

बी.एड. पाठ्यक्रम संचालन एंव मूल्यांकन हेतु महत्वपूर्ण निर्देश :

- ✓ बी.एड. पाठ्यक्रम कुल 80 क्रेडिट का होगा जिसमें प्रथम वर्ष के 40 क्रेडिट होगें एंव द्वितीय वर्ष के 40 क्रेडिट होगें।
- ✓ प्रत्येक विषयों में कुल 100 अंको में से सत्रांत का मूल्यांकन 70 अंको का होगा तथा सत्रीय कार्य का मूल्यांकन 30 अंकों का होगा।
- ✓ बी.एड. पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष की होगी। पाठ्यक्रम में पंजीकृत होने के पश्चात् शिक्षार्थी अधिकतम पाँच वर्ष में पूर्ण कर सकेंगे।
- ✓ प्रत्येक वर्ष में सैद्वांतिक विषयों के शिक्षण के अलावा सत्रीय एंव प्रायोगिक कार्य भी आयाजित किए जाएंगे।
- ✓ विभिन्न विषयों की मूल्यांकन विधि सत्रीय एवं सत्रांत मूल्यांकन का योग होगी। सत्रांत मूल्यांकन लिखित परीक्षा के रुप में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जायेगी तथा सत्रीय मूल्यांकन विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग एवं अध्ययन केन्द्रों के संबंधित शिक्षकों द्वारा सत्रीय एंव प्रायोगिक कार्य आदि के माध्यम से सतत् एवं व्यापक रुप से आयोजित की जायेगी। सैद्वांतिक विषयों के आंतरिक मूल्यांकन का आधार उनसे संबंधित सत्रीय एवं प्रायोगिक कार्य हो सकते हैं। प्रायोगिक विषयों के मूल्यांकन का आधार आंतरिक एवं बाह्य दोनों रुप से किया जायेगा।
- ✓ शिक्षार्थी स्नातक स्तर पर पढ़े गए विषयों में से किन्ही दो विषय को विद्यालय विषय शिक्षण के रुप में चुनेगें तथा विद्यालय अनुभव (इंटर्नशिप) कार्यक्रम के दौरान अनिवार्य रुप से उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक /उच्चतर माध्यमिक स्तर पर इससे जुडी गतिविधियों का क्रमशः अवलोकन तथा क्रियान्वयन करेगें।
- ✓ विद्यालय विषय शिक्षण (प्रायोगिक) के क्रियान्वयन हेतु द्वितीय वर्ष में प्रत्येक अध्ययन केन्द्रों पर मुख्य अध्यापन शिक्षण परीक्षा (Final Teaching) का आयोजन किया जायेगा। इसमें शिक्षार्थी को विद्यालय विषय शिक्षण के अंतर्गत चयनित विषय की पाठयोजना का निर्माण एवं क्रियान्वयन करना होगा। निर्धारित प्रायोगिक कार्य पर आधारित मौखिक परीक्षा होगी, जिसका मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नामित आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा किया जायेगा।
- ✓ यह पाठ्यक्रम स्व–अध्ययन प्रणाली पर आधारित है इस हेतु स्व–अध्ययन सामग्री आपको विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जावेगी। साथ ही आप अध्ययन केन्द्रों में उपलब्ध संबंधित पुस्तकों एवं अन्य संसाधनों का भी उपयोग अध्ययन हेतु कर सकते है।

इस पाठ्यक्रम के प्रमुख दो पक्ष है :– सैद्धांतिक पक्ष एवं प्रायोगिक पक्ष इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने हेतु प्रत्येक शिक्षार्थी को दोनों भागों में पृथक–पृथक उत्तीण होना अनिवार्य है।

* अध्ययन केन्द्र द्वारा मूल्यांकन – छात्र के द्वारा सरल क्रमांक 1 एवं 2 में वर्णित क्रियाकलापों में किए गए प्रदर्शन, सहभागिता तथा जमा किये गये प्रायोगिक पुस्तिका के प्राप्तांक के आधार पर होगा।

** बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन – मौखिक परीक्षा में विषय के सैद्वांतिक पक्ष (स्व–अध्ययन सामग्री में वर्णित विषय–वस्तु) तथा प्रायोगिक क्रियाकलापों से प्रश्न पूछे जायेंगे।

* सूक्ष्म शिक्षण योजना एवं प्रस्तुतीकरण के अंर्तगत प्रत्येक छात्र को सूक्ष्म शिक्षण योजना पुस्तिका में (विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त) प्रत्येक कौशल से संबंधित एक–एक योजना बनाकर निर्धारित अवधि में अध्ययन केन्द्र

में जमा कराना होगा। साथ ही संपर्क कक्षा के दौरान प्रत्येक छात्र को सूक्ष्म शिक्षण योजना का प्रस्तुतीकरण भी करना होगा।

जमा की गई पुस्तिका के मूल्यांकन के आधार पर तथा प्रस्तुतीकरण के आधार पर अध्ययन केन्द्र द्वारा अंक दिये जायेंगे।

*** उपस्थिति – संपर्क कक्षा में 80% उपस्थिति अनिवार्य है उपस्थिति 80% से कम होने की स्थिति में छात्र सत्रांत परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे।

शिक्षा का माध्यम

शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम का माध्यम हिंदी व अँग्रेज़ी होगा किन्तु अध्ययन सामग्री केवल हिंदी में ही उपलब्ध होगी। शिक्षार्थी परीक्षा दोनों माध्यम में दे सकेंगे।

अवधि

शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि दो वर्ष है तथा अधिकतम समयावधि ा पाँच वर्ष होगी। इस अवधि के उपरान्त पुनः पंजीयन की अनुमति विश्वविद्यालय नियमानुसार (तत्कालीन शुल्क सहित) लेनी होगी।

कार्यक्रम शुल्क

विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर शुल्क देय होगा।

संपर्क कक्षा :

- ✓ संपर्क कक्षा की अवधि 10 दिवस की होगी।
- ✓ संपर्क कक्षा में शिक्षार्थी की 80% उपस्थिति अनिवार्य होगी। उपस्थिति 80% से कम होने की स्थिति में शिक्षार्थी सत्रांत परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे।
- ✓ संपर्क कक्षा का आयोजन शिक्षार्थी को आबंटित बी.एड. अध्ययन केन्द्र में होगा। शिक्षार्थी अध्ययन– सामाग्री से स्व–अध्ययन करके ही संपर्क कक्षा में उपस्थित होंगे जिससे की कठिनाई का निवारण हो सके ।
- ✓ संपर्क कक्षा की तिथि विश्वविद्यालय द्वारा घोषित अकादमिक कैलैण्डर अनुसार होगी। यद्यपि घोषित कार्यक्रम में परिवर्तन की स्थिति में विश्वद्यिालय द्वारा वेबसाइट पर सूचना दर्शित की जायेगी।

सत्रीय कार्य :

- ✓ शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा घोषित अकादमिक कैलैण्डर के अनुसार सत्रीय कार्य प्रश्न–पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट – www.pssou.ac.in से डाउनलोड कर प्राप्त करना होगा।
- ✓ सत्रीय कार्य प्रश्न–पत्र स्वरूप – निर्धारित शब्द संख्या के अनुसार घर से स्वयं लिखकर अपने अध्ययन केंद्र में अकादमी कैलेण्डर में दी गई तिथि तक जमा करना अनिवार्य होगा।

- ✓ शिक्षार्थी को प्रत्येक वर्ष में एक सैद्वांतिक सत्रीय कार्य तथा तीन प्रायोगिक सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य होगा।
- ✓ सैद्वांतिक सत्रीय कार्य प्रश्न के उत्तर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त उत्तर–पुस्तिका में ही जमा करना अनिवार्य होगा। प्रायोगिक सत्रीय कार्य के उत्तर, शिक्षार्थी को स्वयं की पृथक फाइल में जमा करना अनिवार्य होगा। सैद्धांतिक सत्रीय कार्य उत्तर–पुस्तिका संपर्क कक्षा के दौरान अध्ययन केन्द्र से वितरित की जावेगी।

सत्रांत परीक्षा :

- ✓ सत्रांत परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा जारी परीक्षा समय–सारणी के अनुसार आयोजित की जावेगी।
- ✓ सत्रांत परीक्षा समय–सारणी एवं प्रवेश–पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट – www.pssou.ac.in से डाउनलोड किया जा सकगा।
- ❖ सत्रांत परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी।

अध्ययन केन्द्रों की भूमिका

बी.एड. पाठ्यक्रम के संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा संपूर्ण छ.ग. राज्य में अध्ययन केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। शिक्षार्थी सुविधानुसार अपना अध्ययन केन्द्र चुनेंगे जो छ.ग. राज्य के विभिन्न जिलों एवं ब्लॉक में स्थित है एवं जो NCTE द्वारा मान्यता प्राप्त शासकीय तथा अशासकीय शिक्षा महाविद्यालय, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान होंगे और जो काउसिंलिंग प्रक्रिया के दौरान आरक्षण के नियमानुसार प्रशिक्षार्थी को आबंटित होंगे। अध्ययन केन्द्रों के शिक्षक–प्रशिक्षकों से शिक्षार्थी अपनी समस्त अकादमिक आवश्यकताओं के लिए निर्देशन व मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। पाठ्यक्रम से संबंधित मुद्रित पाठ्य सामग्री तथा सत्रीय कार्य का वितरण तथा संग्रहण अध्ययन केन्द्रों से ही होगा।

आवश्यक निर्देश :

- ✓ विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित सभी पत्र एवं पाठ्यक्रम–निर्देशिका में सलग्न प्रपत्रों को संभाल कर रखें।
- ✓ कार्यक्रम के दौरान यदि आपको कोई कठिनाई अथवा समस्या आए तो हमें अवश्य लिखिए। यदि पते में कोई परिवर्तन हो तो संबंधित अधिकारी को पूर्व इसकी सूचना दे देवें। इससे संबंधित अधिकारी को आपके पाठों और पत्रों को तुरंत आपको प्रेषित किये जाने में सहायता मिलेगी।
- ✓ जब आपको मुद्रित सामग्री मिले, इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़े और आवश्यक बातें नोट कर लें।
- ✓ विश्वविद्यालय को इस पाठ्यक्रम–निर्देशिका में उल्लेखित नियमों में परिवर्तन करने का अधिकार है। यदि कोई परिवर्तन होता है तो समय समय पर अनुपूरक परिपत्रों के माध्यम से इन परिवर्तनों के बारे में आपको सूचित कर दिया जाएगा।
- ✓ आपको विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.pssou.ac.in में अपलोड सूचना की जानकारी प्राप्त करना होगा। काउसिंलिंग में आपको आंबटित अध्ययन केन्द्र से भी आपको शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी अथवा समस्या समाधान हेतु निरंतर संम्पर्क में रहना होगा।

विश्वविद्यालय को विद्यार्थी संदर्शिका में उल्लेखित नियमों में परिवर्तन करने का अधिकार है। तथापि आपको अनुपूरक परिपत्रों के माध्यम से इन परिवर्तनों के बारे में सूचित कर दिया जाएगा ।

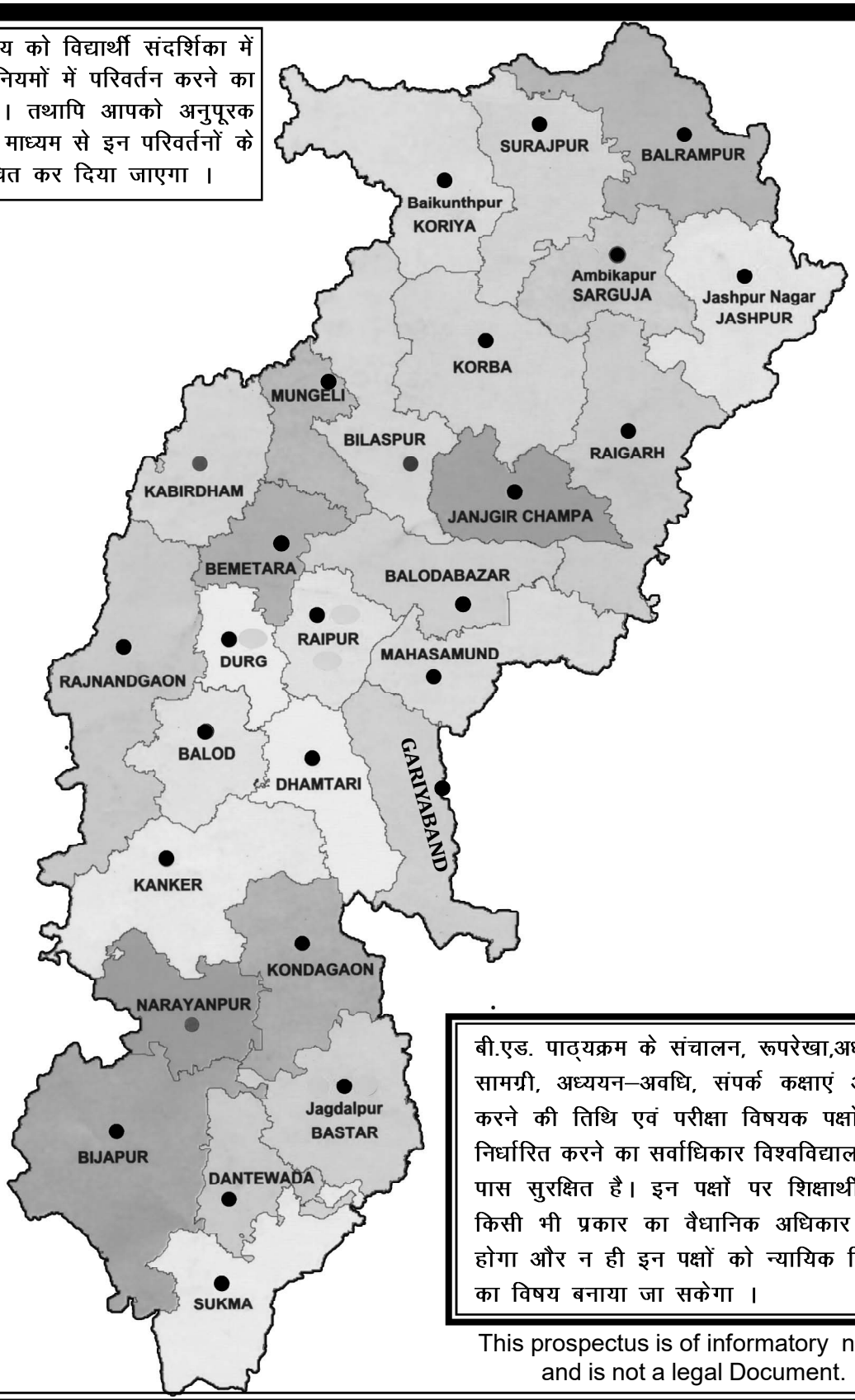

बी.एड. पाठ्यक्रम के संचालन, रूपरेखा,अध्ययन सामग्री, अध्ययन–अवधि, संपर्क कक्षाएं आरंभ करने की तिथि एवं परीक्षा विषयक पक्षों को निर्धारित करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है। इन पक्षों पर शिक्षार्थी का किसी भी प्रकार का वैधानिक अधिकार नहीं होगा और न ही इन पक्षों को न्यायिक विवाद का विषय बनाया जा सकेगा ।

This prospectus is of informatory nature and is not a legal Document.

प्रकाशक – कुलसचिव, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

मुद्रक – पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर मुद्रणालय

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur